

समस्या नं 1

1. उम्मीदवारों द्वारा । चुनाव प्रचार में खर्चा करवाना । सरकार बनाने के । सिस्टम में गड़बड़ी पैदा करता है । इससे भ्रष्टाचार । मँहगाई । और रिस्वत खोरी बढ़ती है ।

समस्या नं 2

1. जनता को वोट देने के लिए । जनता की पसन्द । य न पसन्द का खयाल ही । नहीं रखा जाता है । जनता को । ई वी एम सिस्टम में अंकित । किसी न किसी उम्मीदवार को । वोट देना ही पड़ता है ।

समस्या नं 3

1. जीते हुए प्रत्याशियों द्वारा । सरकार बनाने के लिए । 51% का आँकड़ा पूरा कराना । सरकार बनाने के सिस्टम में गड़बड़ी पैदा करता है । इससे भ्रष्टाचार । मँहगाई । और रिस्वत खोरी बढ़ती है ।

जीसियो नियम फार्मूला समाधान नं 1

सरकार बनाने के नियम 0 खर्चा में चुनाव

1. पी कार्ड धारक । कोई भी प्रत्याशी य । उम्मीदवार । चुनाव । 0 खर्चा में ही लड़ेगा ।
2. किसी भी । पी कार्ड धारक । कोई भी भारतीय नागरिक के । प्रत्याशी का चुनाव प्रचार । इंटर नेट के । संदेश सुविधा के द्वारा । संदेश । क्षेत्र की जनता के पास ।
3. जनता के मोबाइल और । सिर्फ । पी कार्ड में ही । भेजा जायेगा । किसी भी अन्य कार्ड में नहीं भेजा जायेगा ।
4. जिससे । क्षेत्र की जनता को । क्षेत्र प्रत्याशियों और । उम्मीदवारों की जानकारी मिलेगी ।
5. कोई भी प्रत्याशी और । उम्मीदवार । चुनाव प्रचार में । किसी भी तरह के । चुनाव प्रचार समग्री का । उपयोग नहीं करेगा ।
6. चुनाव प्रचार समग्री । जैसे । झंडा । बैनर । पोस्टर । टोपी । बिल्ला । मफलर । कार्ड । जन रैली । कार रैली । बाइक रैली । साइकल रैली । जन सभायें । हाल में । मैदान में । पंडाल । कुर्सी । स्टेज । माइक । नास्ता । भोजन आदि के । मैनेजमेन्ट में । 1 रु भी । खर्चा नहीं करेगा ।
7. हर पार्टी । चुनाव प्रचार में । इंटर नेट के । संदेश सुविधा का । उपयोग करेगी ।
8. कोई भी । पी कार्ड धारक । प्रत्याशी और । उम्मीदवार । चुनाव खर्चा के लिए । बड़े बड़े । व्यापारियों की मदद नहीं लेगा

जीसियो नियम फार्मूला सरकार बनाने के नियम

9. क्योंकि । प्रत्याशी के पी कार्ड में । य अन्य कार्ड में । किसी भी । बड़े य छोटे । व्यापारी का धन अंकित नहीं होगा । और न खर्चा धन । अंकित होगा ।
10. इस प्रकार कोई भी । प्रत्याशी और । उम्मीदवार चुनाव 0 खर्चा में लड़ेगा ।
11. कार्डों के चलन से । इस प्रकार । सरकार बनाने के सिस्टम में । गडबडी का अंत हो जायेगा ।
12. और उम्मीदवारों द्वारा । चुनाव प्रचार में खर्चा न करवाने से । सरकार बनाने के सिस्टम में गडबडी नहीं होगी । इससे भ्रष्टाचार । मँहगाई । और रिस्वत खोरी पर । लगाम लगेगी ।

जीसियो नियम फार्मूला समाधान नं 2 वोट देने के सिस्टम में गडबडी

1. आज हमारे भारत में । वोट देने का सिस्टम यह है । जनता को वोट देने के लिए । जनता की पसन्द । य न पसन्द का । खयाल ही नहीं रखा जाता है ।
2. जनता को । ई वी एम सिस्टम के द्वारा । ई वी एम सिस्टम में अंकित । किसी न किसी । उम्मीदवार को वोट देना ही पड़ेगा । चाहे उम्मीदवार । जनता को पसन्द हो । य न पसन्द हो ।
3. इस तरह से जनता को । कोई भी उम्मीदवार । न पसन्द होने पर भी । वोट देने के लिए जनता पर । दबाव डाला जाता है । तब जनता को । ई वी एम सिस्टम में अंकित । किसी न किसी उम्मीदवार को वोट देना ही पड़ता है ।

जीसियो नियम फार्मूला समाधान नं 2

वोट देने के सिस्टम में गडबडी का समाधान इनमें से कोई नहीं

1. ई वी एम सिस्टम में । हर उम्मीदवार का चुनाव चिन्ह बटन होने के साथ । एक बटन । इनमें से कोई नहीं । का बटन होना चाहिये ।
2. यदि जनता को । ई वी एम सिस्टम में अंकित । कोई भी उम्मीदवार न पसन्द नहीं है । तो जनता इनमें से कोई नहीं । के बटन का उपयोग करेगी ।
3. जिसमें जनता । अपनी पसन्द का उम्मीदवार चुनेगी । और कोई भी उम्मीदवार न पसन्द होने पर । इनमें से कोई नहीं । का बटन दबायेगी ।

जीसियो नियम फार्मूला समाधान नं 3

सरकार बनाने का नियम यह होगा

1. जीते हुए प्रत्याशियों को । सरकार बनाने के लिए । 51% का आँकड़ा । पूरा नहीं करना पड़ेगा ।
2. जिस पार्टी की । सबसे ज्यादा सीटें हों । वही पार्टी सरकार बनायेगी । बिना 51% का आँकड़ा पूरा किये ।
3. बिना किसी पार्टी के । समर्थन के । 5 वर्ष तक । वही पार्टी । सरकार चलाएगी ।
4. यदि कैबनेट के । विभागों के लिए । मंत्री कम पड़ते हैं । तो सहयोगी पार्टियों के । जीते हुए प्रत्याशियों की । मदद ली जा सकती है ।

जीसियो नियम फार्मूला सरकार बनाने के नियम

5. लेकिन यदि । मददगार सदस्य । कार्यकाल के बीच में त्यागपत्र देता है । तो सरकार नहीं गिरेगी ।
6. उसकी जगह कोई दूसरा । मददगार सदस्य । कैबनेट विभाग में । नियुक्त किया जायेगा ।
7. कितने भी । मददगार सदस्य । कार्यकाल के बीच में । त्यागपत्र दे । तो भी सरकार नहीं गिरेगी ।
8. सरकार 5 वर्ष । तक ही चलेगी ।
9. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी । 5 वर्ष से पहले त्यागपत्र देती है । तो सीटों में । न के अनुसार । दूसरे न के पार्टी को । सरकार चलाने का अवसर मिलेगा ।
10. जीसियो नियम फार्मूला से । सरकार बनाने में । 51% का आँकड़ा । पूरा करा सकते हैं । क्योंकि । इससे भ्रष्टाचार । मँहगाई । और रिस्वत खोरी नहीं बढ़ेगी ।
11. वर्तमान व्यवस्था में । 51% का आँकड़ा । पूरा कराना उचित नहीं है । इससे भ्रष्टाचार । मँहगाई । और रिस्वत खोरी बढ़ती है ।

सरकार बनाने और गिराने में कोर्ट की भूमिका

1. जब जनता ही । वोट देकर । पार्टी को । सरकार बनाने का । अवसर देती है । इसमें कोर्ट की । कोई भूमिका नहीं होती है ।
2. तो जनता को ही । वोट देकर । पार्टी को । सरकार से निस्कासित करने का । अधिकार होगा । इसमें भी । कोर्ट की । कोई भूमिका नहीं होगी ।
3. जनता का फैसला । सर्वमान्य होगा ।

5 साल से पहले सरकार कब गिरेगी

1. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी । देश हित के बिपरीत । बे लगाम कार्य करती है । तब जनता के ही वोट से । 5 साल से पहले । सरकार गिरेगी ।
2. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी । देश द्रोहियों के साथ । बे लगाम कार्य करती है । तब जनता के ही वोट से । 5 साल से पहले । सरकार गिरेगी ।
3. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी । जन हित के बिपरीत । बे लगाम कार्य करती है । तब जनता के ही वोट से । 5 साल से पहले । सरकार गिरेगी ।
4. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी । देश की जनता के बिपरीत । बे लगाम कार्य करती है । तब जनता के ही वोट से । 5 साल से पहले । सरकार गिरेगी ।
5. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी । क्षेत्र की जनता के बिपरीत । बे लगाम कार्य करती है । तब जनता के ही वोट से । 5 साल से पहले । सरकार गिरेगी ।

जीसियो नियम फार्मूला सरकार बनाने के नियम

6. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी । जनता के खून पसीने की । मेहनत की कमाई का । गलत उपयोग करती है । बे लगाम कार्य करती है । तब जनता के ही वोट से । 5 साल से पहले । सरकार गिरेगी ।
7. सरकार चलाने वाली पार्टी यदि । देश हित । य जन हित । को ताक मे रखकर ।
8. अपने प्रभाव से । अपने । सगे सम्बन्धियों । रिस्तेदारों । परिवार जनों । य पार्टी के किसी भी सदस्य को । गलत फायदा देने की कोशिश करती है । य गलत फायदा देती है । और बे लगाम कार्य करती है । तो जनता के ही वोट से । 5 साल से पहले । सरकार गिरेगी ।
9. तब भी 5 वर्ष से पहले । चुनाव नहीं होंगे । सीटों मे नं के अनुसार । दूसरे नं की पार्टी को । सरकार चलाने का अवसर मिलेगा ।
10. यदि जनता का सेवक होकर भी । जनता के हुक्म की । हुकुमअदूली करता है । जनता के फैसले को नहीं माँनता ।
11. तो उस सरकार चलाने वाली पार्टी पर । लगाम । जनता ही लगाएगी । क्योंकि जनता ही सर्वोच्च है । इसमे कोर्ट की । कोई भूमिका नहीं होगी । अन्य मामलों मे । कोर्ट की भूमिका होगी ।

भारत सरकार के एन कार्ड मे जनता शिकायत बाक्स

1. भारत सरकार के एन कार्ड मे । 1 जनता शिकायत बाक्स होगा ।
2. जिसमे जनता । अपने पी कार्ड । य अन्य कार्ड के । सन्देश बाक्स से । किसी भी । सरकार चलाने वाली पार्टी । के खिलाफ । अपनी शिकायत भेज सकती है ।

सरकार चलाने वाली पार्टी के खिलाफ जनता

1. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी के । लोक सभा सदस्य से लेकर । नगर सेवक । प्रधान । सरपंच तक । किसी भी सरकार चलाने वाली । पार्टी के सदस्यों के खिलाफ ।
2. क्षेत्र की जनता के । 51% य इससे अधिक सन्देश आते है । और सन्देशों मे । जनता । जिस सदस्य को । विराजमान पद से । निस्कासित करने की माँग करती है ।
3. जिस क्षेत्र की जनता । 51% य इससे अधिक । सरकार चलाने वाली पार्टी के । जिस सदस्य को । विराजमान पद से । निस्कासित करना चाहती है ।
4. उस सदस्य को विराजमान पद से । तत्काल 3 दिन के अन्दर त्याग पत्र देना होगा ।

पार्टी के सदस्य द्वारा । जनता के हुक्म की हुकुम अदूली

1. यदि पद पर । विराजमान सदस्य । तत्काल 3 दिन के अन्दर । त्याग पत्र नहीं देता । और जनता का । सेवक होकर भी ।
2. जनता के हुक्म की । हुकुमअदूली करता है । जनता के फैसले को नहीं माँनता । तो सरकार चलाने वाली पार्टी । विराजमान सदस्य को तत्काल । पद से निस्कासित करेगी

3. और जनता के हुक्म की । हुकुमअदूली करने के जुर्म मे । पद से निस्कासित व्यक्ति को । 3 वर्ष की कठिन कारावास होगी ।
4. और सरकार चलाने वाली पार्टी । किसी अन्य योग्य सदस्य को रिक्त पद पर । आसीन करेगी ।
5. और उसे 3 वर्ष की कठिन कारावास के बाद । आजीवन । राजनीति मे प्रवेश से । वंचित रहना होगा । कोई भी राजनीतिक पार्टी । उस व्यक्ति को । अपनी पार्टी मे प्रवेश नहीं देगी ।

पार्टी व्दारा जनता के हुक्म की हुकुम अदूली । और जनता के ना पसंद व्यक्ति को । पद पर विराजमान रखना

1. यदि सरकार चलाने वाली पार्टी । पद पर विराजमान सदस्य को । तत्काल 3 दिन के अन्दर । पद से निस्कासित नहीं करती ।
2. और जनता का सेवक होकर भी । जनता के हुक्म की । हुकुमअदूली करती है । जनता के फैसले को नहीं माँनती ।
3. तो सरकार चलाने वाली पार्टी को । 3 दिन के अन्दर । भारत के राष्ट्रपति के पास । सरकार चलाने का । त्याग पत्र जमा करना होगा ।
4. अन्यथा । उस पार्टी की मान्यता । और पार्टी का चिन्ह । दोनो रद्द कर दिये जायेंगे ।
5. और आजीवन उस व्यक्ति को । राजनीति मे प्रवेश से वंचित रहना होगा । कोई भी राजनीतिक पार्टी । उस व्यक्ति को । अपनी पार्टी मे प्रवेश नहीं देगी ।
6. तब भी । 5 वर्ष से पहले चुनाव नहीं होंगे । सीटों मे नं के अनुसार । दूसरे नं की पार्टी को । सरकार चलाने का अवसर मिलेगा ।

जनता के ना पसंद व्यक्ति का पार्टी मे प्रवेश

1. यदि कोई भी । राजनीतिक पार्टी । जनता के । ना पसंद व्यक्ति को । अपनी पार्टी मे । प्रवेश देती है ।
2. जनता का सेवक होकर भी । जनता के हुक्म की । हुकुमअदूली करती है । जनता के फैसले को नहीं माँनती । तो उस पार्टी की मान्यता । और पार्टी का चिन्ह । दोनो रद्द कर दिये जायेंगे ।
3. और आजीवन उस व्यक्ति को । राजनीति मे प्रवेश से । वंचित रहना होगा । कोई भी राजनीतिक पार्टी । उस व्यक्ति को । अपनी पार्टी मे प्रवेश नहीं देगी ।
4. तब भी 5 वर्ष से पहले चुनाव नहीं होंगे । सीटों मे नं के अनुसार । दूसरे नं की पार्टी को । सरकार चलाने का अवसर मिलेगा ।

जय विश्व अग्रणी भारत की